Since:1989
Regd. No. 6467
अगस्त-सितंबर 2023

मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट

मासिक समाचारपत्र

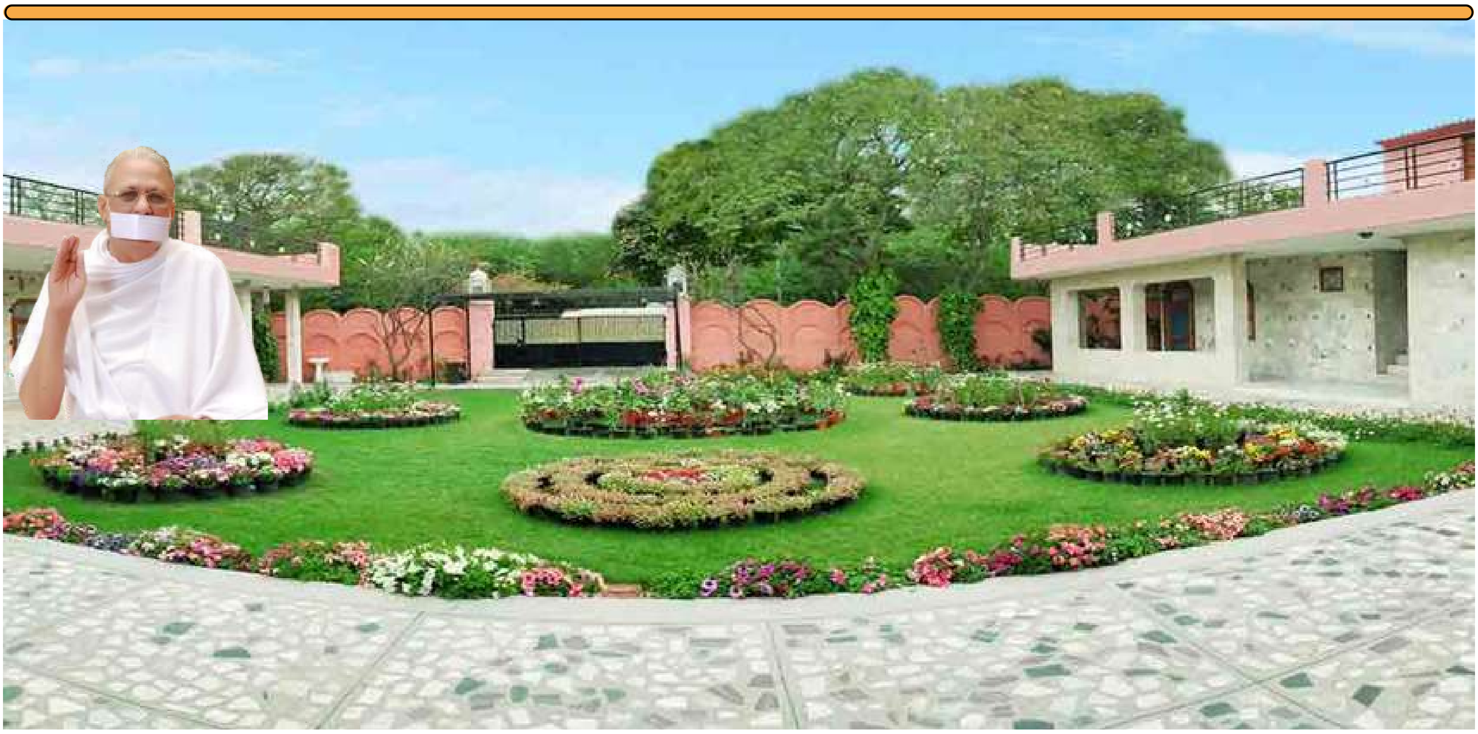

ॐ अर्हम्
जय जिनेन्द्र
पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री रूपचंद्रजी महाराज के आशीर्वाद और मार्गदर्शन के साथ हम अपने पूर्ण सामर्थ्य से शिक्षा, सेवा और योग साधना के कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। हम अपने सभी शुभचिंतकों को हार्दिक धन्यवाद देते हैं, जो मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट की विभिन्न प्रवृत्तिओं के लिए अपना सहयोग और योगदान लगातार प्रदान कर रहे हैं। आपकी दानशीलता और समर्पण अनगिनत लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हैं। इस मासिक समाचार पत्रिका में, हम आपका आभार प्रकट करते हैं और यहाँ चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर अपडेट प्रदान कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि आप इसे पढ़ें और हमारे साथ जुड़ें रहें।

गुरुदेव जी का स्वास्थ्य समाचार

इन दो महीनों के दौरान, पूज्य गुरुदेव जी को वायरल बुखार और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण तीन बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। गुरुदेव जी वर्तमान में आश्रम में हैं, लेकिन लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वे काफी कमजोर हो गए हैं। मानसिक रूप से, गुरुदेव जी काफी मजबूत हैं और वे वर्तमान में स्थिर स्थिति में हैं।

पर्यूषण पर्व

पर्यूषण पर्व - जैन धर्म का यह पर्व भारत और पूरी दुनिया में पर्वों का राजा कहा जाता है। यह पर्व जैन धर्म के लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री रूपचंद्रजी महाराज के आशीर्वाद के साथ पर्यूषण महापर्व 2023, मानव मंदिर में बड़े उत्साह से मनाया गया। अस्वस्थ होने के बावजूद, पूज्य गुरुदेवजी इस अवसर पर उपस्थित रहे और हम सभी को प्रवचन लाभ भी प्राप्त हुआ जिसे आप ऊपर दिए गए यूट्यूब लिंक पर क्लिक करके देख सकते हैं।

यह दिन दूसरों को क्षमा करने का दिन है, चाहे किसी ने भी आपके साथ कुछ गलत किया हो, आपके अंदर उन्हें क्षमा करने का भाव होना चाहिए। यह आपके व्यक्तित्व को पूर्ण रूप से बदल देगा और आप अधिक विनम्र और दयालु बनेंगे।

बाढ़ त्रासदी के बाद मरम्मत और पुनर्वास का कार्य ज़ारी

मानव मंदिर में सभी इमारतों के अंदर का सब कुछ नष्ट हो गया है, और मरम्मत कार्य चल रहा है। मानव मंदिर मिशन की टीम दिन-रात बिना थके काम कर रही है ताकि स्थिति को पुनर्स्थापित किया जा सके। हम अत्यंत खुश हैं कि आपका समर्थन और सेवा हमें लगातार प्राप्त हो रही है, और इसके कारण ही हम इसे पूर्ववत स्थिति में पुनर्स्थापित करने के लिए समर्पित हैं।

सबसे अधिक क्षति सेवाधाम भवन में हुई, यह पूरी तरह से नष्ट हो गया था। इसके अधिकांश भागों को पुनर्निर्मित किया गया है। इस भवन में लगभग सभी फर्नीचर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए थे और मरम्मत के काबिल नहीं बचे थे उन्हे बदला गया है। इस भवन का काम लगभग 70% अब पूरा हो चुका है, और एक खंड में रोगियों का उपचार शुरू हो चुका है।
इस भवन के पुनर्निर्माण की अनुमानित लागत पहले 32-35 लाख के आस-पास की गई थी, लेकिन अब यह अनुमानित लागत को पार कर रही है।

आप नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके विस्तृत रिपोर्ट देख सकते हैं :-

सेवाधाम प्लस

गुरुदेवजी बिल्डिंग

गुरुकुल पुरानी बिल्डिंग

परियोजनाओं पर अपडेट:

मानव मंदिर गुरुकुल

हम यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि गुरुकुल के छात्र रोहन ने एक अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने GLT सरस्वती बाल मंदिर, नेहरू नगर, में अपने 12वीं कक्षा की शिक्षा पूरी की और CUET 2023 में उपस्थित होकर सफलतापूर्वक पास हुए हैं, और स्नातक (कला) के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया है। हम अपने सभी समर्थकों और शुभचिंतकों का धन्यवाद करना चाहेंगे जिन्होंने हमारे गुरुकुल के छात्र के प्रति लगातार सहयोग बनाए रखा।

हमारे गुरुकुल की 10वीं कक्षा की छात्रा, आयुष्का, ने हाल ही में 19 अगस्त को दिल्ली लॉन टेनिस एसोसिएशन (DLTA) द्वारा आयोजित एक लॉन टेनिस प्रतियोगिता में पहला स्थान और गोल्ड मेडल प्राप्त किया है, जो कि दिल्ली के आरके पुरम में आर.के.खन्ना स्टेडियम में आयोजित हुआ था। यह विजय न केवल आयुष्का के खेल में कौशल को प्रकट करती है, बल्कि यह हमारे छात्रों के समर्पण को दर्शाती है। यह एक अत्यधिक गर्व का विषय है कि हमारे छात्र न केवल शैक्षिक रूप से उत्कृष्ट हैं, बल्कि खेल और अन्य गतिविधियों में भी। इस अद्भुत उपलब्धि के लिए आयुष्का को बधाई और हम सभी छात्रों से विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी और भी सफलताओं की आशा करते हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

77वां स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम, मानव मंदिर गुरुकुल के बच्चों के साथ पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री रूपचंद्रजी महाराज की उपस्थिति में संस्था के परिसर में मनाया गया। मानव मंदिर गुरुकुल के छात्रों और अन्य विद्यालयों के छात्रों ने इस स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में भाग लिया। संस्था से जुड़े कई महान व्यक्तियों की गौरवपूर्ण उपस्थिति रही। स्वास्थ्य से संबंधित कारणों से पूज्य गुरुदेव जी ने व्हीलचेयर पर बैठकर राष्ट्रगान गाया, गुरुदेव जी के खड़े नहीं हो पाने के कारण उनके मन वेदना रही लेकिन पूज्य गुरुदेव जी के द्वारा 'वन्दे मातरम' के उद्घोष ने सभी को उत्साहित कर दिया।

महासती मंजुलाश्री मातृ सेवा प्रकल्प

मातृ सेवा प्रकल्प मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट के दूरदर्शी विचार का परिणाम है। देश में हजारों वृद्धाश्रम हैं, जिनकी स्थापना के लिए करोड़ों रुपये और सेवा एवं रखरखाव के लिए लाखों रुपये की आवश्यकता होती है, फिर भी वे वृद्धाश्रम व्यक्तियों को अज्ञात परिसर के कारण असुरक्षित महसूस कराते हैं क्योंकि उन्हें अपने प्रिय परिवारों, घरों और पड़ोसियों को छोड़ना पड़ता है। हमने उन्हें असुरक्षित महसूस किए बिना उन्हें और भी प्रभावी तरीके से सेवा प्रदान करने का उपाय निकाला। हमने उन बेबस, लाचार महिलाओं को उनके द्वार पर सबसे अच्छी सेवा प्रदान करने के लिए एक क्रांतिकारी विचार बनाया, ताकि वे इन सेवाओं का घरेलू माहौल में उपयोग कर सकें।
हमारी सेवाएँ तीन श्रेणियों में विभाजित होती हैं:

सामान्य श्रेणी: इस श्रेणी में वही महिलाएं शामिल होती हैं जिनके पास बच्चे होते हैं, लेकिन उनके बच्चे आर्थिक रूप से अपनी बूढ़ी माँ की व्यय और अपने बच्चे के शिक्षा और शिक्षा के खर्चों का सहारा नहीं उठा सकते। वे हमारी सामान्य श्रेणी में आती हैं क्योंकि वे शारीरिक रूप से मजबूत हैं और उनके पास अपने घर होते हैं, लेकिन आर्थिक रूप से बहुत कमजोर होते हैं। मानव मंदिर उन महिलाओं की जिम्मेदारी लेता है ताकि उनके गरीब बच्चे अपने खर्चों को ठीक से निकाल सकें और अपने बेटे/बेटी की शिक्षा के साथ कुछ भी समझौता न करना पड़े।

विशेष श्रेणी: इस श्रेणी में वह महिलाएं शामिल होती हैं जिनके पास बच्चे और पति नहीं होते हैं और उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं होता। इन बूढ़ी महिलाओं को हम सेवाएँ प्रदान करते हैं। इन महिलाओं को सेवायेँ प्रदान करना और थोड़ी सा चुनौतीपूर्ण होता है, इसलिए हमने उन्हें हमारी विशेष श्रेणी में श्रेणीबद्ध किया है।

सहायक श्रेणी: इस श्रेणी में वह महिलाएं आती हैं जिनकी पूर्व सूचना के बिना या उनके बच्चों की नौकरी छूट गई होती है तो उन्हें अस्थायी समर्थन की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, सरदार सिटी की महिला जो पेपर 10 रुपये/किलो खरीदकर पैकेजिंग के बाद (15-20) रुपये/किलो पर बेचती थी, कोविड-19 के कारण अपने छोटे व्यवसाय को बंद करना पडा। हम ऐसी महिलाओं को रोजगार प्रदान करते हैं अगर वे युवा और काम करने की क्षमता रखती हैं। हम इनके के लिए सिलाई केंद्र खोलते हैं ताकि ये युवा महिलाएं रोजगार कर सकें। हम उन्हें अपनी विशेष श्रेणी महिलाओं की देखभाल के लिए भी लेते हैं और उन्हें वेतन दिलवाते हैं। इससे महिलाओं को स्वतंत्र बनने में मदद मिलती है। अगर वे महिलाएं बूढ़ी होती हैं, तो हम उनकी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

वर्तमान में हमने 100 वृद्ध माताओं को गोद लिया है जिनको आवश्यकता है और उनके चिकित्सा देखभाल के लिए परिवार के सदस्य नहीं हैं। ये माताएँ अपने घरों में रहती हैं। हम हर महीने उन्हें महत्वपूर्ण सामान और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। इस प्रकल्प में विकलांग पुरुष और महिलाएँ भी शामिल हैं। इस प्रकल्प से राजस्थान के गांवों के लोग, हिमालय की पहाड़ियों सहित कुछ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इस प्रोजेक्ट का पर्यवेक्षण पूज्य आचार्यश्री रूपचंद्रजी महाराज के मार्गदर्शन में साध्वी कनकलताजी द्वारा किया जाता है।

बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों मे सेवा

पाकिस्तान से आए हिन्दू शरणार्थियों मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट पर निर्भर है। संस्था ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नए प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं और लगभग 1000 सदस्यों की जिम्मेदारी ली है जो पाकिस्तान से आए हैं। इन परिवारों का निवास दिल्ली में दो शरणार्थी शिविरों में है, जो बाढ़ में पूरी तरह से डूब गए थे। इस संकट में, मानव मंदिर मिशन पाकिस्तान से आए हुए शरणार्थियों के बीच राशन सामग्री को वितरित कर रहा है और यमुना बाढ़ आपदा का सामना कर रहे लोगों की सेवा में तत्पर है।

अब वहां पुनर्वास का कार्य शुरू हो गया है। सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की थी, लेकिन संस्था द्वारा पीने के पानी और जल आपूर्ति की व्यवस्था कर दी गई हैं। जो शरणार्थी बच्चों के लिए कक्षाएँ बनाई गई थी उन पर भी बाढ़ का प्रभाव पड़ा,उन्हें पुनः संचालित किया गया है, और बच्चों की शिक्षा को फिर से शुरू किया गया है। हम हमेशा उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार रहते हैं।

मानव मंदिर मिशन ने पाकिस्तान से विस्थापित शरणार्थी लड़की के सड़क दुर्घटना में टूटे हुए पैर का आपरेशन कराया

आप सभी जानते हैं कि मानव मंदिर मिशन दो शरणार्थी शिविरों में पाकिस्तान से बेघर शरणार्थियों को हर संभावित सेवा प्रदान कर रहा है। हाल की बाढ़ ने उन्हें जानवरों की तरह सड़कों पर आने के लिए मजबूर किया क्योंकि उनके शिविरों में पानी 8 फीट तक बढ़ गया था, जिसके कारण उन्हें टेंटों में सड़क के किनारे रुकने के सिवाय कोई विकल्प नहीं बचा। वाहनों की लगातार आवाज़ उनके बच्चों को भयभीत कर रही थी, और वही हुआ जिसका डर था। शरणार्थी लालचंद की पोती गीता के साथ यह घटना हुई। उसके पिता जीत ने साध्वी समताश्री जी को बताया कि उनकी बेटी के पैर की हड्डी एक वाहन से टकराने से टूट गई थी। बच्ची के असहनीय दर्द को सहने में असमर्थ होने के कारण, हमारी सहयोगी संस्था 'सवेरा' ने मानव मिशन मिशन के अनुरोध पर, तुरंत बच्ची को सर्जरी के लिए एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया। बच्ची की पैर की सर्जरी सफलता पूर्वक हो गई है, और एक रॉड डाला गया है। सफल सर्जरी के बाद, बच्ची की पीड़ा कम हो गई है और शीघ्र ही, वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकेगी।

अरुण योगी जी को शारदा शताब्दी सम्मान

इस साल, शारदा शताब्दी सम्मान समारोह ग्रेटर नोएडा में शारदा विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था, जिसमें देश भर से विभिन्न क्षेत्रों में उनके अत्यद्भुत योगदान के लिए 21 व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। पूज्य श्री अरुण योगी जी को उनके योग और सामाजिक सेवा क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। शारदा सर्वज्ञ पीठ के पीठाधीश्वर श्रीमद्जगद्गुरु स्वामी अमृतानंद देवतीर्थ जी, सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पंकज मित्तल जी और "ब्रह्मसागर" संस्था के संस्थापक और इस आयोजन कमेटी के अध्यक्ष कैप्टन एस.के. द्विवेदी जी ने उन्हें "शारदा शताब्दी सम्मान" से सम्मानित किया। डॉ.अरुण प्रकाश ने इस समारोह को मूर्त रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आयोजन समिति के सदस्य सचिव के रूप में सेवा प्रदान की। हम अपनी ओर से इस महान आयोजन के सफलता के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दे रहे हैं।

माननीय विधायक श्री रमेश चंद्र मिश्रा, बदलापुर, जौनपुर, उत्तर प्रदेश, का हाल ही में हमारे मानव मंदिर मिशन दिल्ली केंद्र का दौरा

माननीय विधायक श्री रमेश चंद्र मिश्रा, बदलापुर, जौनपुर, उत्तर प्रदेश, हाल ही में हमारे मानव मंदिर मिशन दिल्ली केंद्र का दौरा किया। हमने उन्हें पूरे परिसर का अवलोकन कराया और उन्होंने पूज्य गुरुदेव जी का आशीर्वाद भी लिया। पूज्य अरुण योगी जी ने उन्हें संस्था के बारे में और संस्था की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

सेवाधाम प्लस

SEVA-DHAMPlus
............The Wellness Retreat

सेवाधाम प्लस हॉस्पिटल मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट की सहयोगी संस्था है। पूज्य आचार्यश्री रूपचंद्र जी महाराज के आशीर्वाद के साथ, यह सितंबर 1994 में प्रारंभ हुआ। यह आयुर्वेदिक प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल शांत और हरे भरे प्राकृतिक स्थल पर स्थित है और यहाँ राष्ट्रीय और राज्यीय मार्गों द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है। सेवा-धाम में आधुनिक तकनीक और सुविधाओं की उपलब्धता हमें उच्च मानकों को बनाए रखने, विश्राम करने और इसके आसपास के प्राकृतिक माहौल में नया जीवन प्रदान करने में मदद करती है। इस अस्पताल ने हड्डी रोग, गठिया, रूमेटॉयड गठिया, अस्थि-सूक्ष्मता , पीठ के पीछे का दर्द, सरवाइकल स्पॉन्डायलोसिस, स्पॉन्डायलोसिस, जल्दी न भरने वाले घाव, फ्रैक्चर प्रबंधन, गुदाश्य संबंधित विकार, सोरायसिस, एलर्जिक विकार, श्वसन विकार, आयु संबंधित विकार, मानसिक तनाव, स्लिप डिस्क, साइटिका और बहुत सी समस्याओ का हजारों लोगों का सफल उपचार किया है।

सबसे अधिक क्षति सेवाधाम भवन में हुई थी, जो कि लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गया था। इसके अधिकांश हिस्से पुनर्निर्मित किए गए हैं। इस भवन के सभी फर्नीचर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त थी और उन्हें बदल दिया गया है। इस भवन का काम लगभग 70% अब पूरा हो गया है, और एक खंड में मरीजों का उपचार शुरू हो गया है। इस भवन की मरम्मत की अनुमानित लागत का पूर्वानुमान 32-35 लाख रुपये के आस-पास था, लेकिन अब यह पूर्वानुमानित लागत को पार कर गया है।

पर्यावरण संरक्षण एवं जीवदया

मानव मंदिर मिशन के स्वयंसेवक पौधों को पोषण और सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यमुना के किनारे लगाए गए नए पौधों और पुराने वृक्षों की लगातार देखभाल की जाती है। यहाँ पर निवास करने वाले पक्षियों और जीव जंतुओं के खाने के लिए सीमेंट के प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं जहां प्रतिदिन दाना और ताजा पानी रखा जाता है, यहाँ यमुना की सफाई के लिए जागरूकता फैलाने वाले कार्यक्रम समय समय पर आयोजित होते रहते हैं। गंगा आरती की तरह यहाँ यमुना आरती का आयोजन होता है जिसमे हजारों की संख्या में लोग प्रतिभाग करते हैं। हमारी इस परियोजना की देखरेख वरिष्ठ पर्यावरणविद श्री अशोक उपाध्याय जी और वरिष्ठ शिक्षाविद एवं निबंधकार डा.अरुण प्रकाश जी के दिशा निर्देश मे चल रही है।

मानव मंदिर प्रकाशन

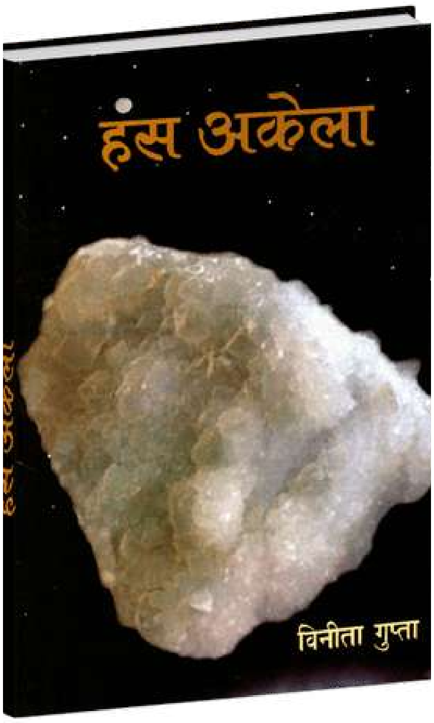

पूज्य गुरुदेव जी ने कई साहित्यिक रचनाओं का सृजन किया हैं, जिसमें प्रसंग और काव्य दोनों शामिल हैं। गुरुदेव की पहली पुस्तक ज्ञानपीठ पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित की गई थी। उनकी शिक्षाएँ, लेखन और साहित्य सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर प्रसारित हो रहे हैं। आज के डिजिटल युग में, सोशल मीडिया ज्ञान, बुद्धि और आध्यात्मिक दृष्टिकोण को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य कर रहा है। गुरुदेव जी एक उच्च स्तर के संत होने के साथ साथ के उच्च स्तर के कवि और विचारक भी हैं ,उनके लेख बराबर दैनिक भास्कर और प्रतिष्ठित अखबारों मे प्रकाशित होते रहते हैं ।

रूपरेखा

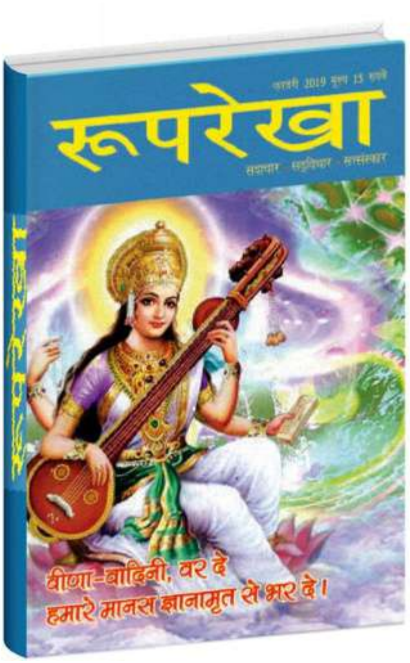

"रूप रेखा" 1998 से लगातार प्रकाशित हो रही है जो कि एक मासिक पत्रिका है, संस्था के भीतर सभी चल रहे कार्यों, परियोजनाओं और आयोजनों के बारे में इसमे जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। यह पत्रिका देश के भीतर निःशुल्क वितरित की जाती है, साथ ही संस्था से जुड़े सदस्यों को देश के बाहर भी हर महीने मुफ्त में भेजी जाती है। वर्तमान में ये हर महीने 6,000 से अधिक पाठकों को मिलती है। "रूप रेखा" का प्रकाशन अभी गुरुदेव जी के स्वास्थ्य कारणों और बाढ़ की वजह से बंद है, इसलिए हम न्यूजलेटर भेज रहे हैं। आशा है कि इसे जल्द ही पुनः प्रारंभ किया जाएगा।

आपदा प्रबंधन

संस्था ने स्वास्थ्य उपकरण, खाद्य आपूर्ति, पके हुए भोजन, जूते, दवाएँ और महिलाओं के लिए सैनिटरी पैड जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं को प्रदान करके लाखों लोगों की जानें बचाई है। उसी तरह, बच्चों के लिए निर्बाध शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए संस्था ने झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के लिए बस्तियों में तीन कंप्यूटर सेंटर स्थापित किए हैं और बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री और शिक्षकों को उपलब्ध कराया है। हमने आपदा प्रबंधन कार्यक्रम के माध्यम से, आपदाओं के प्रभाव को कम करने, संवेदनशील जनसंख्या की सुरक्षा करने और इस प्रकार की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। अब हमने प्रवासी शिविरों और झुग्गी झोपड़ी वाले क्षेत्रों में कक्षाओं को पुनः प्रारंभ किया है। अभी शुद्ध पेयजल की व्यवस्था हैन्डपम्प लगवाकर की गई है।

हमारी टीम

Get In Touch With Us
Regd. Office: KH-57, Ring Road, Sarai Kale Khan, New Delhi 110013

+91-9643990099

www.manavmandirmission.org

contact@manavmandirmission.org